जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 157 प्रभात अजमेर, गुरुवार 6 जनवरी, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

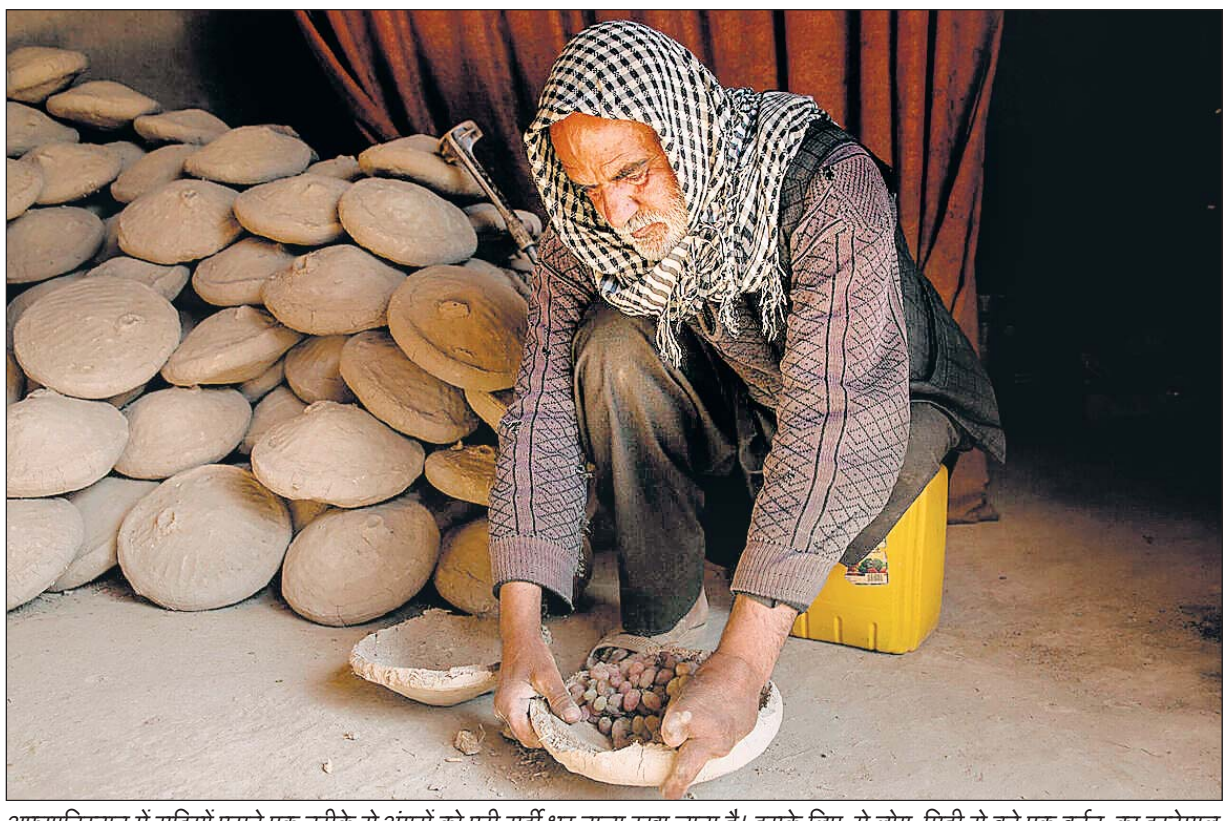

अफगानिस्तान में सदियों पुराने एक तरीके से अंगूरों को पूरी सर्दी भर ताजा रखा जाता है। इसके लिए ये लोग मिट्टी से बने एक बर्तन का इस्तेमाल करते हैं जिसे ''कंगीना'' कहते हैं। सदियों पहले अफगानिस्तान के उत्तरी भाग के ग्रामीणों ने यह तरीका विकसित किया था। जिसकी वजह से यहां के लोग सर्दी में भी ताजे फलों का लुत्फ उठाते हैं। हालांकि यह तकनीक उत्तरी अफगानिस्तान की है पर काबुल के निकटवर्ती गांवों में भी यह तरीका इस्तेमाल होता। ऐसे ही एक गांव, अका सराय के ज़ियाउलहक अहमदी कहते हैं कि कोई भी और तरीका नहीं है जो अंगूरों को लगभग 6 माह तक ताजा रख सके। अफगानिस्तान के पर्यटन मंत्रालय के निदेशक मुर्तजा अज़ीज़ी ने भी कहा कि हालांकि यह तकनीक पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है पर इसके कोई दस्तावेज नहीं हैं ना ही इसे पढ़ाया जाता है। मिट्टी के सील बंद बर्तन, टपरवेअर या ज़िपलॉक बैग की तरह काम करते हैं और फलों को सर्दी से बचाते हैं, विशेषकर कुछ खास प्रकार के अंगूरों को। यू.एन. में फूड एण्ड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन के राजेन्द्र अर्याल कहते हैं कि आमतौर पर जो किसान कंगीना का इस्तेमाल करते हैं वो ताइफी अंगूरों का संरक्षण करना पसंद करते हैं। इन अंगूरों की त्वचा मोटी होती है तथा सीज़न के अंत में इसकी फसल काटी जाती है। ज्ञातव्य है कि अफगानिस्तान की हिंदकुश पहाड़ियों में जमीन बेहद उपजाऊ है और मौसम शुष्क व गर्म है इसलिए यहां कई किस्म के फल उगते हैं। यहां हर साल 15 लाख टन फल पैदा होते हैं। लेकिन इसका सिर्फ एक तिहाई भाग ही निर्यात होता है। इसलिए फलों को सहेजना जरुरी है। अहमदी बताते हैं कि जब वे किशोरावस्था में थे तब उन्हें उनके पिता ने यह तरीका सिखाया था और अब वे अपने बच्चों को सिखा रहे हैं। अफगानिस्तान के दक्षिण में अनार व खरबूजा काफी पैदा होता है। मध्य अफगानिस्तान में सेब, चैरी, खुबानी और अंगूर। यह क्षेत्र खासकर अपने शानदार रसीले अंगूरों के लिए विख्यात है। अहमदी हर साल 1000 किलो अंगूर खरीदते हैं, इनमें से आधे तो ताजे ही बिक जाते हैं और आधों को वे कंगीना में सुरक्षित रख लेते हैं और महीनों बाद अच्छे दामों में बेचते हैं। अहमद की बेटी सब्सीना, जो इस काम में पिता की मदद करती है, ने बताया, ''हम मिट्टी को तिनकों और पानी के साथ मिलाकर बड़ा सा कटोरानुमा कंगीना बनाते हैं। चार-पांच घंटे में धूप रखने पर ये इस्तेमाल योग्य हो जाते हैं फिर इसमें अंगूर रखकर उसे मिट्टी से सील कर देते हैं और ठंडे शुष्क स्थान पर रख देते हैं। इस प्रक्रिया में 20 दिन तक लग जाते हैं। बाकी के बचे अंगूरों से किशमिश बनाई जाती है।

प्र.मंत्री फिरोज़पुर यात्रा स्थगित कर वापस लौटे

हालांकि यह घटनाक्रम देश के प्रजातंत्र के लिये शर्मनाक प्रकरण है, पर कांग्रेस व भाजपा चुनाव में लाभ लेने की दृष्टि से आरोप-प्रत्यारोप में ही जुटी हैं

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। फिरोज़पुर जाते वक्त हुई एक सुरक्षा चूक के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना एक सार्वजनिक संबोधन निरस्त करने के लिए बाध्य होना पड़ा, क्योंकि किसानों ने यहां रविवार से ही जाम लगा रखा था, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गई है और दोनों ने ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराया।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय और भाजपा ने यहां फिरोजपुर दौरा निरस्त होने का दोषारोपण पंजाब की राज्य सरकार पर किया, वहीं मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी ने पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक होने का यह कहते हुए पुरजोर खण्डन किया कि मूल योजनानुसार हैलीकॉप्टर में जाने के बजाए सड़क मार्ग से भटिण्डा से फिरोजपुर जाने के अंतिम क्षणों में लिए गए निर्णय की वजह से ऐसा हुआ।

यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम देश की संघीय राजनीति और केन्द्र राज्य संबंधों का एक दु:खद प्रतिबिंब है। यह मायने नहीं रखता कि प्रधानमंत्री का दौरा निरस्त करवाने का जिम्मेवार कौन है, फिर भी प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा और कांग्रेस इस घटनाक्रम को चुनावी उद्देश्यों के लिए भुनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि पंजाब में जल्दी ही विधानसभा चुनाव होने हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्र.मंत्री ने राज्य सरकार के अफसरों से कहा 'अपने मु.मंत्री को ''थैंक्स'' कहना कि, मैं भटिण्डा एयरपोर्ट तक ज़िन्दा लौट पाया।'
- स्मृति इरानी ने भी प्रैस कॉन्फ्रैंस कर पंजाब की कांग्रेस सरकार को प्र.मंत्री की सुरक्षा में चूक व प्र.मंत्री के जीवन को खतरे में डालने का दोषी बताया।
- कांग्रेस प्रवक्ता सुरजेवाला ने कहा कि, प्र.मंत्री के कार्यक्रम में बहुत कम लोग आये, अतः प्र.मंत्री ने कार्यक्रम रद्द कर दिया।
- मु.मंत्री चन्नी ने कहा, सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई, प्र.मंत्री का भटिण्डा से फिरोज़पुर हैलिकॉप्टर से जाने का कार्यक्रम था, पर खराब मौसम के कारण कार्यक्रम बदला व प्र.मंत्री ने भटिण्डा से फिरोज़पुर सड़क मार्ग से जाना तय किया। वे किसान प्रदर्शनकारियों से दूर थे तथा प्रदर्शनकारियों को हटाने में पन्द्रह-बीस मिनट का समय तो लगता ही है, अतः प्र.मंत्री को ''फ्लाईओवर'' पर पन्द्रह मिनट रूकना पड़ा। उन्हें वैकल्पिक मार्ग का सुझाव दिया गया था, पर उन्होंने वापस लौटने का निर्णय लिया। इस प्रकरण में कोई भी प्रशासनिक चूक नहीं हुई है, अतः किसी अफसर/कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी।
- मु.मंत्री चन्नी ने यह भी स्पष्टीकरण दिया कि, वे भटिण्डा एयरपोर्ट इसलिये नहीं गये, क्योंकि जिन अफसरों को मेरे साथ एयरपोर्ट जाना था, उनमें से कई करोना टैस्ट में ''पॉज़िटिव'' आ गये।

'करोना मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि, देश में 55,000 संक्रमित बढ़ रहे हैं हर रोज

कांग्रेस ने बड़ी चुनावी रैली व आमसभा न करने का निर्णय लिया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। जहाँ कांग्रेस करोना वायरस की उभरती आ रही तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुये, उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा अन्य चुनावाधीन राज्यों में विशाल जनसभाओं और मीटिंगों को ''अल्पकालीन विराम'' दे दिया हैं, वहीं यह प्रश्न भी पूछा जा रहा है कि क्या प्रियंका गांधी को उत्तर प्रदेश में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी से ''बचाने'' की कोशिश की जा रही हैं।

एक ऐसे क्षेत्र में जो कांग्रेस पार्टी का सबसे कमजोर क्षेत्र हैं, कांग्रेस ने अपने सबसे प्रभावी और मजबूत प्रचारकर्ता को उतार रखा हैं और प्रियंका ने तमाम विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुये धुआँधार प्रचार किया है। कांग्रेस के लिये, उत्तर प्रदेश में विश्वसनीय जीत मुश्किल है। पार्टी का उद्देश्य 2024 के लोक सभा चुनावों में भाजपा को कड़ी टक्कर देना है। इसलिये ऐसी संभावना नहीं है कि जो कुछ प्रियंका ने उत्तर प्रदेश में हासिल किया है, पार्टी उनकी राजनैतिक छवि को क्षति पहुँचने से बचाने के लिये, उन सबको उस उपलब्धि की कुर्बानी दे देगी।

ज्यादा सम्भावना इस बात की है कि बड़ी सभाओं से बचते हुये, कांग्रेस ने भाजपा तथा समाजवादी पार्टी सहित अन्य पार्टियों को चुनौती दी है कि महामारी की तीसरी लहर में भीड़ जुटाने का जोखिम नहीं लिया जाना चाहिये।

करोना वायरस के केस करीब 55,000 प्रतिदिन के हिसाब से बढ़े हैं तथा विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह तीसरी लहर जनवरी के अंत में ''पीक'' पर पहुँचेगी। बड़ी सभाएं न करने की पहल करते हुये, कांग्रेस ने अन्य राजनैतिक दलों के सामने अपनी मिसाल रखी है कि वे इसका अनुसरण करें। भाजपा में इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि उसे ग्रेटर नोएडा में अपनी वह विशाल सभा करनी चाहिये अथवा नहीं, जो पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार, इस माह के अंत में होनी चाहिए। सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव भी उस विशाल रैली को आगे खिसकाने पर विचार कर रहे हैं, जो 9 जनवरी को जौनपुर में होनी थी।

पिछले वर्ष हुये पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी का प्रचार अभियान उस समय रोक दिया था जब करोना की दूसरी लहर ''पीक'' की ओर बढ़ रही थी। बंगाल के चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि प्रचार को जल्दी विदा लेकर कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस के हाथ मजबूत कर दिये थे। क्या उत्तर प्रदेश में भी ऐसी स्थिति बनेगी कि कांग्रेस की कीमत पर सपा को फायदा होगा? उत्तर प्रदेश में दिखाई दे रहे बहुकोणीय किस्म के चुनावी मुकाबलों में प्राय: सबसे बड़ी चुनौती देने वाला दल ही अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अन्य पार्टियां भी बड़ी रैलियां व आमसभाएं स्थगित करने पर सोच-विचारने को मजबूर हुईं।
- परन्तु जब राहुल गांधी ने प. बंगाल के चुनाव के मध्य में ऐसा ही निर्णय लिया था, उसका लाभ तृणमूल को हुआ था तथा कांग्रेस के अधिकांश वोटर तृणमूल में चले गये थे।

हाथ में बम उठाते ही युवक का पंजा उड़ा

जैसलमेर, 5 जनवरी (नि.सं.)। जैसलमेर से लगती भारत - पाकिस्तान सीमा पर किशनगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में बुधवार को बम फटने से एक चरवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को गंभीर अवस्था में रामगढ़ अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल लाया गया, हादसे में घायल कुटल सिंह के एक हाथ का पंजा उड़ गया, साथ ही उसके पैरों और हाथों में गंभीर चोट आई है।

घायल कुटल सिंह (32) निवासी सेउवा ने बताया कि मवेशियों को चराते वक्त ये हादसा हुआ। उसने बताया कि उसकी भेड़ - बकरियां चरते हुए फील्ड फायरिंग रेंज में घुस गई थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसलमेर से लगती भारत-पाक सीमा पर स्थित किशनगढ़ फील्ड फायरिंग में बुधवार को यह हादसा हुआ।

फिरोजपुर प्रकरण के बाद भाजपा ने पंजाब खो दिया?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। क्या नरेन्द्र मोदी द्वारा किये नाटक बाद पंजाब भाजपा के हाथ से निकल गया है? भाजपा ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बहुत बड़ी खामी हुई। मोदी ने विदा होते हुये कहा था, ''चन्नी को बता देना, मैं ज़िन्दा बचकर आ गया।''

एक प्रधानमंत्री के रूप में इतने निम्न स्तर का बयान देने से वे पंजाब की जनता से और भी दूर हो गये हैं।

जिस रैली को मोदी को संबोधित करना था, वहाँ कुर्सियाँ खाली पड़ी थी तथा सभा को संबोधित किये बिना ही प्रधानमंत्री दिल्ली लौट आये।

अनेकानेक वीडियोज़ में स्थानीय लोग मोदी और भाजपा के होर्डिंग एवं पोस्टर फाड़ते हुए तथा मोदी-विरोधी नारे लगाते हुये दिखाई सुनाई दे रहे थे। कृषि-कानूनों को लेकर सिखों और किसानों में जबरदस्त आक्रोश हैं।

दरअसल, मोदी ने अपना रास्ता बदल लिया था तथा उन्होंने हेलिकॉप्टर को छोड़कर सड़क का रास्ता लिया था। उनके काफिले/जुलूस को 15-20 मिनट इन्तज़ार करना पड़ा, क्योंकि बहुत सारे लोग सड़क पर खड़े हुये थे। मज़ेदार बात यह है कि वीडियो में यह भीड़ भाजपा के झंडे लहरा रही है और ''मोदी ज़िन्दाबाद'' के नारे लगा रही हैं।

गृह मंत्रालय ने इस पूरे प्रकरण की पूर्णरूपेण जाँच कराने की धमकी दी है, जबकि पार्टी ने आरोप लगाया है कि यह सब पंजाब सरकार द्वारा प्रधानमंत्री को चोट पहुँचाये जाने की कोशिश थी।

भाजपा जोर-जोर से चिल्लाकर जो कुछ कह रही है, चन्नी ने उन अधिकांश बातों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिये कभी कोई संकट या जोखिम नहीं था।

प्रधानमंत्री उस जगह से आगे नहीं गये तथा सभा को संबोधित नहीं किया क्योंकि वह भीड़ नहीं थी। उन्हें कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह कहा जा रहा है कि, प्र.मंत्री की यह टिप्पणी कि, ''चन्नी को बता देना की मैं बच कर आ गया'' पंजाब की जनता के गले नहीं उतर रही।

पक्षी गणना

लालसोट, 5 जनवरी (निसं)। उपखंड क्षेत्र के किसानों की लाइफ लाइन माने जाने वाला मोरेल बांध अब जल्द ही 12 जनवरी को विश्वव्यापी संस्थाओं द्वारा प्रवासी पक्षियों की गणना के बाद अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी के राजस्थान स्टेट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मोरेल बांध पर 12 जनवरी से प्रवासी पक्षियों की गणना शुरू की जायेगी।

जोधपुर में स्टेट जीएसटी टीम ने कई कारोबारियों पर एक साथ रेड की

प्राप्त जानकारी के अनुसार करोड़ों के जीएसटी घोटाले का पता लगा है

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। शहर में बुधवार को स्टेट जीएसटी की टीमों ने एक साथ एक दर्जन से अधिक कारोबारियों के यहां सर्वे की प्रक्रिया शुरू की। इनमें से अधिकांश कारोबारी बेस ऑयल व बायो डीजल के है। इसमें करोड़ों का जीएसटी घोटाला होने की बात सामने आ रही है। फिलहाल इसका खुलासा नहीं किया गया है।

इन दोनों उत्पादों में जीएसटी चोरी की शिकायतें मिलने के बाद आज एक साथ जोधपुर के दोनों जोन की टीमों ने करीब बारह स्थानों पर पहुंच जांच शुरू की। इससे कारोबारियों में हड़कंप मच गया। जीएसटी टीम सूत्रों के अनुसार बायोडीजल व बेस ऑयल में कर चोरी की लगातार शिकायत मिल रही थी। इस पर बुधवार को जोधपुर जोन प्रथम की टीमों ने जोधपुर में पांच, जैसलमेर व फलोदी में एक-एक स्थान पर सर्वे शुरू किया। वहीं जोन द्वितीय की टीमों ने जोधपुर में चार, बालोतरा व बाड़मेर में एक-एक स्थान पर जांच शुरू की। जांच में अनियमितताओं का पता लगाया जा रहा है।

ऐसा माना जा रहा है कि इस सर्वे में बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी पकड़ में आने का अंदेशा है।

बताया जाता है कि कुछ कारोबारी अपना ऑफिस बंद कर रवाना हो गए। जांच टीम के अधिकारियों का कहना है कि जांच एक सामान्य प्रक्रिया है और यदि टैक्स चोरी की है तो वह सामने आ जाएगी।

- जिनके यहां रेड हुई है, इनमें से अधिकांश कारोबारी बेस ऑयल व बायो डीजल का काम करते हैं।

किसी स्कूल को कन्वर्ट नहीं किया जा सकता

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में निर्धारित किया कि किसी भी स्कूल को उसके स्कूल डेवलपमेंट मैनेजमेंट कमेटी के प्रस्ताव के विरुद्ध हिंदी मीडियम से अंग्रेजी मीडियम में कन्वर्ट नहीं कर सकती है। ऐसा करना न केवल नेशनल एज्यूकेशन पॉलिसी का उल्लंघन है बल्कि आरटीई अधिनियम की भी अवहेलना है।

जस्टिस दिनेश मेहता ने जोधपुर जिले के पीलवा गांव में हरिसिंह सीनियर सैकंडरी स्कूल को हिंदी मीडियम से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह निर्णय देते हुए कहा, हिन्दी मीडियम स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में कन्वर्ट करना नैशनल एजुकैशन पॉलिसी का उल्लंघन है।

प्रदेश में नए करोना सक्रमितों की संख्या में पुनः भारी वृद्धि हुई

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 746 मामले बढ़ने के साथ ही बुधवार को 1883 नए संक्रमित मिले हैं, इससे पहले मंगलवार को 1137 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 5 जनवरी। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में फिर करोना संक्रमितों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। बुधवार को 746 नए मामले बढ़ने के साथ ही 1883 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सर्वाधिक 1138 रोगी जयपुर जिले में पाए गए हैं। इस बीच जयपुर और जोधपुर में करोना से दो लोगों की मौत भी हुई है। वहीं दूसरी ओर राज्य में ओमक्रॉन के 62 और मामले सामने आए हैं।

प्रदेश में करोना की जांचें बढ़ने के साथ ही भारी संख्या में नए मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को 56 हजार 616 जांचों पर 26 जिलों में 1883 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले प्रदेश में मंगलवार को 1137 रोगी पाए गए थे। पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 1138 नए संक्रमित जयपुर जिले में मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 230, अजमेर में 94, अलवर में 79, कोटा में 53, सीकर व भरतपुर में 36-36, बीकानेर में 34, भीलवाड़ा में 31, उदयपुर में 28, प्रतापगढ़ में 23, गंगानगर में 21, सिरोही में 14, चित्तौड़गढ़ में 13, बांसवाड़ा व सवाई माधोपुर में 9-9, डूंगरपुर में 8, टोंक, नागौर, करौली, झालावाड़ में 4-4, दौसा, हनुमानगढ़ व झुंझुनूं में 3-3, धौलपुर और बाड़मेर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। हालाकि 6 जिलों में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

उधर प्रदेश में करोना के नये वैरिएंट ओमक्रॉन के बुधवार को 62 नये मामले सामने आए हैं। इनमें सर्वाधिक 52 मामले जयपुर में मिले हैं। वहीं कोटा में 2, भरतपुर, हनुमानगढ़, सीकर व अलवर में 1-1 नया मामला सामने आया जबकि चार नये संक्रमित अन्य राज्यों के है। नये मरीजों को डेडिकेट ओमक्रॉन वार्ड में भर्ती कराया गया है। चिकित्सा विभाग के अनुसार राज्य में अब तक ओमक्रॉन के 236 संक्रमित मिल चुके हैं।

वहीं दूसरी ओर बुधवार को राज्य में करोना संक्रमण के 48 मरीज ठीक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राज्य में सबसे ज्यादा वृद्धि जयपुर में जिले में होने के साथ ही यहां 1138 नए संक्रमित मिले हैं।
- दूसरे नम्बर पर जोधपुर में वृद्धि हुई है, यहां 203 नए मरीज पाए गए हैं।
- प्रदेश में बुधवार को ओमक्रॉन के 62 और नए मामले सामने आए हैं, इनमें सर्वाधिक 52 संक्रमित जयपुर में मिले हैं।
- जयपुर और जोधपुर में 1-1 संक्रमित की मौत हुई है।